सतर्कता - अवलोकन

(i) सतर्कता के प्रति हमें चिंता क्यों होनी चाहिए?

"अमेरिका के प्रमुख ऐतिहासिक नेताओं में एक थॉमस जफरसन ने, जिसने ब्रिटीश शासन से देश के लिए स्वतंत्रता प्राप्त करने में भूमिका निभाई, कहा कि "स्वतंत्रता की कीमत शाश्वत सतर्कता है"। यद्यपि ये शब्द युनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में प्रजातंत्र को बनाए रखने के संदर्भ में बोले गए थे, यह भ्रष्टाचार से लड़ने की मुहिम पर बखूबी लागू होता है।

यू एन द्वारा भ्रष्टाचार को विश्व की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक चुनौती के रूप में पहचाना गया है। इससे संगठनों की दक्षता तथा लाभप्रदता कम हो जाती है, कार्य-बल की नैतिक शक्ति निर्बल होती है; संगठनों की ख्याति घटती है, वृद्धि में बाधा होती है। संगठनों में भ्रष्टाचार से अंततः राष्ट्र की आर्थिक प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और हमारे समाज के अतिप्राचीन मूल्य नष्ट हो जाते हैं। अतः प्रत्येक कर्मचारी/स्टाफ का दायित्व है कि हम सजग रहें तथा भ्रष्टाचार के जोखिम/खतरे के विरुद्ध संगठन की रक्षा करें।

भ्रष्टाचार निवारण पर समिति की संस्तुतियों के आधार पर दिनांक 11.2.1964 के संकल्प द्वारा भारत सरकार ने केंद्रीय सतर्कता आयोग गठित किया। अंततः 25.8.1998 को सीवीसी को सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

आयोग के कई कार्यों/दायित्वों में से मुख्य दायित्व इस प्रकार हैं:

(i) लोक कार्यों/संविदाओं में जाँच का निर्वाह करना। (ii) भ्रष्ट आचरणों के लिए दोषी पाये गए सरकारी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करना (iii) जहाँ तक अखण्डाता/इमानदारी का संबंध है प्रशासनिक प्रक्रियाओं एवं पद्धतियों का पुनरीक्षण करना और (iv) सतर्कता विषयों में मार्गदर्शन प्रदान करना। सीवीसी सरकारी संगठनों/सार्वजनिक संस्थानों में सतर्कता संबंधी विषय संभालने हेतु इन संगठनों तथा संस्थानों में मुख्य सतर्कता अधिकारी (CVOs) नियुक्त करने का अधिकार भी आरक्षित रखता है एवं आयोग के विस्तारित विभाग के रूप में कार्य करता है।

(ii) सतर्कता/भ्रष्टाचार विरोध पर जागरूगता सृजित करना

सतर्कता मामलों तथा सीवीसी द्वारा संस्तुत भ्रष्टाचार विरोध उपायों के संबंध में स्टाफ में सामान्य जागरूगता बढ़ाने के उद्देश्य से इस विण्डो से दो पावर प्वाइंट प्रेज़ेन्टेशन्स प्रस्तुत हैं - एक सीवीसी कार्यों और निर्देशों का पूर्ण सूचना देता है तथा दूसरे से - संगठन के भीतर अखण्डता एवं इमानदारी परिरक्षित करने हेतु अपनाए जानेवाले रुझान (attitudes)। स्टाफ से अनुरोध भी किया जाता है कि सीवीसी का वेबसाइट http://www.cvc.nic.in पर और जानकारी के लिए ब्राउज़ करें।